विक्रमादित्य वैदिक घड़ी

चर्चा में क्यों?

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 1 सितंबर, 2025 को मुख्यमंत्री निवास पर **विक्रमादित्य वैदिक घड़ी** का अनावरण किया तथा इसके **मोबाइल ऐप** का शुभारम्भ भी किया।

मुख्य बिंदु

- **विक्रमादित्य वैदिक घड़ी के बारे में:**
  - यह पारंपरिक **भारतीय कालगणना पद्धति** पर आधारित पहली घड़ी है, जिसे फरवरी 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उज्जैन में पुनर्जीवित किया गया था।
  - इसमें दिन को मानक 24 घंटे के प्रारूप के बजाए **30 मुहूर्तों** (प्रत्येक लगभग 48 मिनट) में विभाजित किया गया है।
- **उद्देश्य:**
  - यह भारत की पारंपरिक समय-निर्धारण पद्धतियों को आधुनिक तकनीकी प्रगति के साथ जोड़ती है, जिसका उद्देश्य समय गणना की प्राचीन प्रणालियों को पुनर्जीवित करना है।
- **मोबाइल ऐप की विशेषताएँ:**
  - यह ऐप **3179 ईसा पूर्व (भगवान कृष्ण-जन्म)** से लेकर वर्तमान तक के **7,000 वर्षों** के इतिहास को समेटे हुए है, जिसमें महाभारत युग का विवरण भी शामिल है।
  - पंचांग, **तिथि, नक्षत्र, योग, करण, वार, मास, व्रत और त्योहारों** की जानकारी प्रदान करती है।
  - धार्मिक गतिविधियों, उपवासों और ध्यान के लिये अलर्ट तथा अनुस्मारक उपलब्ध कराती है।
  - **30 घंटे के मुहूर्तों** में वैदिक समय, मुहूर्त, सूर्योदय/सूर्यास्त का समय तथा मौसम अपडेट (तापमान, हवा की गति, आर्द्रता) प्रदान करती है।
  - यह ऐप **189 से अधिक वैश्विक भाषाओं** में उपलब्ध है, जिससे इसकी विश्वव्यापी पहुँच सुनिश्चित होती है।
- **महत्त्व:**
  - **एकीकरण:** यह घड़ी भारतीय कैलेंडर प्रणाली को एकीकृत करती है और योग, तिथि, नक्षत्र तथा हिंदू त्योहारों के समय जैसे विविध समय-संबंधित पहलुओं की जानकारी देती है।
  - **सांस्कृतिक विरासत:** यह भारत की वैज्ञानिक और सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करती है, जो पारंपरिक ज्ञान तथा आधुनिक प्रौद्योगिकी के संयोजन का प्रतीक है।
  - यह एक **सांस्कृतिक प्रतीक** के रूप में कार्य करती है, जो वैश्विक मंच पर भारत की समय-निर्धारण प्रणालियों के पुनरुत्थान में योगदान देती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/vikramaditya-vedic-clock